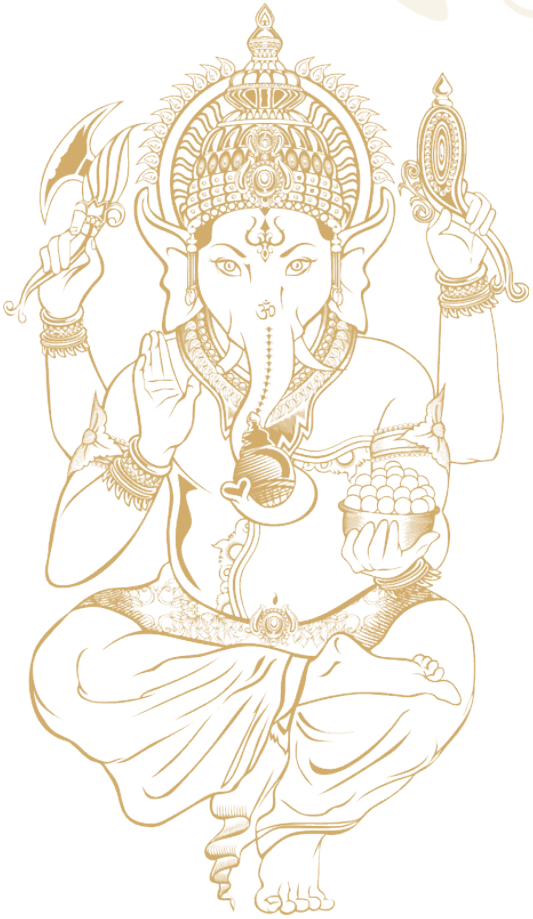

Jay shree pankaj bhai

09 Sep 1992

01:30 AM

Bhavnagar

Model: web-freekundliweb

Order No: 121832903

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**8-09/09/1992**
दिन	मंगल-बुधवार
जन्म समय	**01:30:00 घंटे**
इष्ट	47:39:27 घटी
स्थान	**Bhavnagar**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	21:46:00 उत्तर
रेखांश	72:14:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:41:04 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	00:48:56 घंटे
वेलान्तर	00:02:21 घंटे
साम्पातिक काल	00:01:26 घंटे
सूर्योदय	06:26:13 घंटे
सूर्यास्त	18:50:45 घंटे
दिनमान	12:24:33 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	22:38:37 सिंह
लग्न के अंश	15:35:24 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	अतिगण्ड
करण	कौलव
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमा
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	15:35:24	322:42:37	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	शुक्र	---
सूर्य			सिंह	22:38:37	00:58:16	पू०फाल्गुनी	3	11	सूर्य	शुक्र	शनि	स्वराशि
चंद्र			मक	17:01:26	11:49:46	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	शनि	सम राशि
मंगल			मिथु	04:16:09	00:34:53	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	शत्रु राशि
बुध		अ	सिंह	16:47:28	01:55:38	पू०फाल्गुनी	2	11	सूर्य	शुक्र	चंद्र	मित्र राशि
गुरु		अ	सिंह	29:24:47	00:12:56	उ०फाल्गुनी	1	12	सूर्य	सूर्य	राहु	मित्र राशि
शुक्र			कन्या	16:15:25	01:13:36	हस्त	2	13	बुध	चंद्र	शनि	नीच राशि
शनि	व		मक	19:09:41	00:03:20	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	स्वराशि
राहु	व		धनु	03:42:58	00:08:02	मूल	2	19	गुरु	केतु	चंद्र	नीच राशि
केतु	व		मिथु	03:42:58	00:08:02	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	शुक्र	नीच राशि
हर्ष	व		धनु	20:22:04	00:00:42	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	गुरु	---
नेप	व		धनु	22:31:03	00:00:36	पूर्वाषाढ़ा	3	20	गुरु	शुक्र	शनि	---
प्लूटो			तुला	26:50:05	00:01:19	विशाखा	3	16	शुक्र	गुरु	शुक्र	---
दशम भाव			मीन	06:38:05	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:45:36

लग्न-चलित

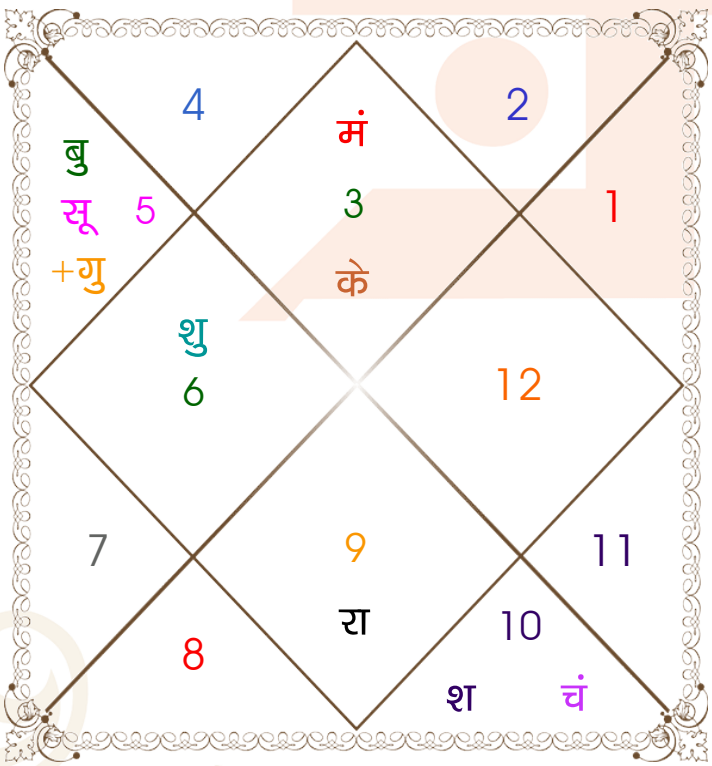

चन्द्र कुंडली

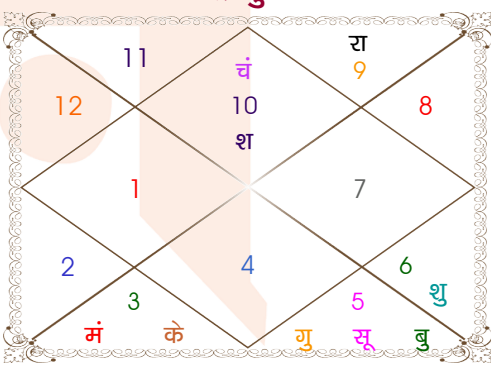

नवमांश कुंडली

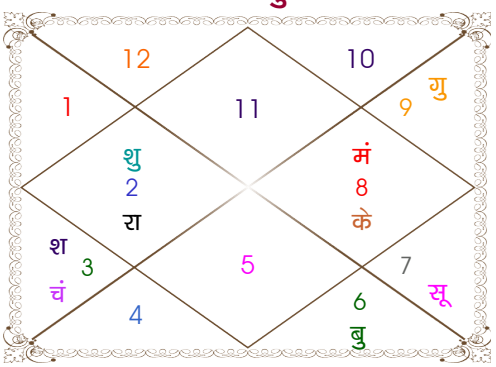

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 4 वर्ष 8 मास 23 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
09/09/1992		03/06/1997		03/06/2004		03/06/2022		03/06/2038	
03/06/1997		03/06/2004		03/06/2022		03/06/2038		03/06/2057	
	00/00/0000	मंगल	30/10/1997	राहु	14/02/2007	गुरु	21/07/2024	शनि	06/06/2041
	00/00/0000	राहु	18/11/1998	गुरु	09/07/2009	शनि	02/02/2027	बुध	14/02/2044
	00/00/0000	गुरु	25/10/1999	शनि	15/05/2012	बुध	10/05/2029	केतु	25/03/2045
	09/09/1992	शनि	02/12/2000	बुध	03/12/2014	केतु	16/04/2030	शुक्र	25/05/2048
शनि	03/04/1993	बुध	30/11/2001	केतु	21/12/2015	शुक्र	15/12/2032	सूर्य	07/05/2049
बुध	03/09/1994	केतु	28/04/2002	शुक्र	21/12/2018	सूर्य	03/10/2033	चंद्र	06/12/2050
केतु	04/04/1995	शुक्र	28/06/2003	सूर्य	15/11/2019	चंद्र	02/02/2035	मंगल	15/01/2052
शुक्र	02/12/1996	सूर्य	03/11/2003	चंद्र	16/05/2021	मंगल	09/01/2036	राहु	21/11/2054
सूर्य	03/06/1997	चंद्र	03/06/2004	मंगल	03/06/2022	राहु	03/06/2038	गुरु	03/06/2057

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
03/06/2057		03/06/2074		03/06/2081		04/06/2101		04/06/2107	
03/06/2074		03/06/2081		04/06/2101		04/06/2107		00/00/0000	
बुध	31/10/2059	केतु	30/10/2074	शुक्र	02/10/2084	सूर्य	22/09/2101	चंद्र	04/04/2108
केतु	27/10/2060	शुक्र	30/12/2075	सूर्य	03/10/2085	चंद्र	23/03/2102	मंगल	03/11/2108
शुक्र	28/08/2063	सूर्य	06/05/2076	चंद्र	03/06/2087	मंगल	29/07/2102	राहु	05/05/2110
सूर्य	03/07/2064	चंद्र	05/12/2076	मंगल	03/08/2088	राहु	23/06/2103	गुरु	04/09/2111
चंद्र	03/12/2065	मंगल	04/05/2077	राहु	03/08/2091	गुरु	10/04/2104	शनि	10/09/2112
मंगल	30/11/2066	राहु	22/05/2078	गुरु	03/04/2094	शनि	23/03/2105		00/00/0000
राहु	18/06/2069	गुरु	28/04/2079	शनि	03/06/2097	बुध	27/01/2106		00/00/0000
गुरु	24/09/2071	शनि	06/06/2080	बुध	04/04/2100	केतु	04/06/2106		00/00/0000
शनि	03/06/2074	बुध	03/06/2081	केतु	04/06/2101	शुक्र	04/06/2107		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 4 वर्ष 8 मा 24 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति की हो जाएंगी। आप अपने पति पर प्रभुत्व जमाएंगी। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगी।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहती हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहती हैं। आप चाहती हैं कि आपके पति आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरे पति जीवन साथी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकती है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है।

मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से

कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए।

ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।

आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।